



संक्षिप्त समाचार

टिहरी में एसएसपी कार्यालय में सिपाही कोरोना पॉजिटिव संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड में कोरोना का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले दो दिन में प्रदेश में 560 और लोग में कोरोना की पुष्टि हुई है। प्रदेश में कुल 12175 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं। फिलहाल 3863 एक्टिव केस हैं, जबकि 152 मरीज राज्य से बाहर जा चुके हैं। पूर्व पर्यटन मंत्री दिनेश धने भी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। टिहरी में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय में भी एक सिपाही कोरोना पॉजिटिव मिला है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय में काम करने वाले चार सिपाहियों की सोमवार को कोरोना जांच कराई गई।

झूठी व भ्रामक सूचनाओं पर ध्यान न दें जनपदवासी: डीएम संवाददाता देहरादून/रूद्रपुर। जिलाधिकारी रंजना राजगुरु ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे झूठी, भ्रामक सूचनाओं पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा झूठी, भ्रामक सूचनाएं फैलाने वालों के खिलाफ जिला प्रशासन सख्त कार्यवाही करेगा। उन्होंने कहा कोविड-19 के संक्रमण को रोकने के लिए जिला प्रशासन द्वारा जनहित में कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा विभिन्न स्थानों में जाकर रैपिड एंटीजन टेस्ट किया जा रहा है। उन्होंने कहा स्वास्थ्य कार्मिकों को पूरा सहयोग देते हुए टेस्ट कराये।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति से विस्तार लेगा दूरस्थ शिक्षा का फलक संवाददाता देहरादून। प्रो. ओपीएस नेगी (कुलपति उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय) का कहना है कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में दूरस्थ शिक्षा को जो अधिमान मिला है, उससे आने वाला समय दूरस्थ शिक्षा से जुड़े छात्रों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा। नई शिक्षा नीति के मूल में विद्यार्थियों को सरल माध्यमों से उपयोगी शिक्षा प्रदान करना है। पहली बार भारतीय उच्च शिक्षा आयोग व राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन जैसी नियामक संस्थाओं को गठित किया गया है, जिसके बेहतर परिणाम सामने आयेगे।

अरदास संस्था ने पुलिस वालों फूड पैकेट व सैनिटाइजर, जरूरतमंदों के कपड़े बांटे संवाददाता देहरादून। अरदास समाज कल्याण के द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर ड्यूटी पे तैनात पुलिस वालों को फूड पैकेट्स वितरित किए तथा सैनिटाइजर भी दिया गया। आस्क के सदस्यों का मानना है की हमारी आजादी को कायम रखने में पुलिस फोर्स का बहुत बड़ा योगदान है। आस्क ट्रस्ट के संस्थापक राजवीर सिंह हमेशा इस तरह की गतिविधियों को करने के लिए प्रोत्साहित करते रहते हैं। वहीं कुछ महिलाओं और बच्चों को वस्त्र भी वितरित किए गए।

जागरूक लोगों का पहाड़ में रहना जरूरी, तभी होगा विकास

संदेश

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि जागरूक लोगों का पहाड़ में रहना जरूरी है तभी वहां का विकास होगा। बता दें कि सीएम ने ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैण के नजदीक सारकोट गांव के देवीधर तोक में स्थानीय निवासी जमन सिंह से छह नाली भूमि खरीदी है। इस पहल के माध्यम से मुख्यमंत्री ने रिजर्व पलायन को लेकर बड़ा संदेश दिया है।

सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि मैंने कोशिश की है कि पलायन वापस हो। यानी लोग अपने गांव की ओर आएँ और राज्य की विकास में अपना योगदान करें। दूरस्थ क्षेत्रों में विकास तभी पहुंच पाएगा, जब वहां पर जागरूक लोग रहेंगे। विकास के लिए बहुत

■ मुख्यमंत्री ने रिजर्व पलायन को लेकर बड़ा संदेश दिया



जरूरी है वहां पर लोकल इन्वेस्टर हों। मैंने इस दिशा में एक कोशिश की है। मैं बताना चाहता है कि दूरस्थ क्षेत्रों में बहुत स्कोप है, लेकिन जो हम देहरादून में करना चाहते हैं वह वहां संभव नहीं है। हमें वहां की परिस्थिति और प्रकृति ने जो संसाधन गिफ्ट के तौर पर दिया है का दोहन करें तो विकास की पर्याप्त संभावनाएं हैं। हम जब

■ सीएम ने गैरसैण के नजदीक सारकोट गांव में छह नाली भूमि खरीदी

साहसिक पर्यटन में स्वरोजगार की काफी संभावनाएं

सीएम त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि साहसिक पर्यटन में युवाओं के लिए स्वरोजगार की काफी संभावनाएं हैं। राज्य सरकार साहसिक पर्यटन के नए केंद्र विकसित करने के प्रयास कर रही है। हमारी कोशिशें सफल होती भी दिख रही हैं। योजना के तहत ऐसी ही एक कोशिश पौड़ी जिले की नयार घाटी में की गई है। सतपुली में एंगलिंग कैंप के साथ नयार घाटी में एडवेंचर स्पोर्ट्स यानी राफ्टिंग, कयाकिंग, एंगलिंग, बर्ड वॉचिंग और पेरामोटरिंग पर्यटकों को आकर्षित करेंगे।

पहाड़ की बात करें तो दूरस्थ क्षेत्रों में विकास की बात करते हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि वह गैरसैण में आवास बनाएंगे। कहा, मेरी कोशिश होगी कि कुछ और लोग भी वहां पर जाएं। **खास हुआ सारकोट गांव:** मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत के भूमि खरीदने से सारकोट गांव अब खास हो गया है। भराड़ीसैण विस

परिसर से करीब तीन किमी और ब्लाक मुख्यालय गैरसैण से 19 किमी के फासले पर है सारकोट। ब्रिटिशकाल में इस गांव में अंग्रेज अफसरों की कोर्ट लगती थी। तब इसका नाम सारकोट था, जो बाद में सारकोट हो गया। इस गांव में 64 दरवाजों वाले कोर्ट भवन के खंडहर अभी मौजूद हैं।

डबल इंजन नहीं चला पा रहे त्रिवेन्द्र

आरोप

■ नैतिकता के आधार पर दें इस्तीफा: रविंद्र आनंद

देहरादून। संवाददाता

आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता एवं कैंट विधानसभा प्रभारी उत्तराखण्ड रविंद्र सिंह आनंद ने सीएम से सरकार चलाने में विफल होने पर इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम उत्तराखण्ड त्रिवेन्द्र सिंह रावत डबल इंजन की सरकार भी नहीं चला पा रहे हैं। आनंद ने कहा कि नेपाल सीमा से जुड़े, टनकपुर जौलजीबी मार्ग को लेकर ठेका आवंटन में हुई गड़बड़ी को लेकर सरकार अब पूरी तरह से



बैकफुट पर नजर आ रही है। वहीं स्थानीय बीजेपी विधायक पूरन सिंह फतर्वाल इस मामले में सरकार के खिलाफ खड़े नजर आ रहे हैं। जीरो टॉलरेंस की बात कहने वाली सरकार के इस मामले पर बैकफुट पर आने पर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे

केवल कागजी घोषणाओं पर लगे हैं सीएम साहब

आनंद ने कहा कि आम आदमी पार्टी चाहती है कि यदि सीएम त्रिवेन्द्र सिंह रावत यह डबल इंजन की सरकार जिसके बनने पर कई कई दावे किए गए थे भी नहीं चला पा रही है तो उन्हें नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए।

हैं। वहीं दूसरी ओर बात करें तो इनके विधायकों पर बलात्कार के इल्जाम लगाए जा रहे हैं जिसमें सीएम को तुरंत हस्तक्षेप कर महिला को इंसाफ दिलाना चाहिए था। उस मामले में भी सरकार बैकफुट पर हैं। इन सबके बाद

यदि बात करें राजधानी की तो राजधानी में प्रशासन और निगम की व्यवस्थाक की पोल हाल ही में हुई बारिश खोल दी। राजधानी के इससे बड़े अस्पताल जो के कोविड केयर सेंटर भी है में पानी का भर जाना और समय पूर्व कोई व्यवस्था न होना यह दिखाता है कि सरकार मरीजों को लेकर कितनी लापरवाह है। सीएम साहब इस वक्त केवल कागजी घोषणाओं पर लगे हैं जबकि राजधानी में आम आदमी मूल सुविधाओं से ही त्रस्त है। जिस तरह से सभी मौहल्लों अस्पताल आदि में पानी भरने से इतना नुकसान हुआ और सीएम साहब ने झांक कर भी किसी की सुध नहीं ली इससे साफ है कि उन्हें जनता की कोई नहीं पड़ी।

पहला काम अधूरा, अब सिंचाई विभाग को जिम्मा

संवाददाता देहरादून। सरकार से लेकर शासन और प्रशासन तक में अक्सर यह बात कही जाती है कि विभागों को आपस में समन्वय बनाकर काम करना चाहिए। हालांकि, जब भी जरूरत पड़ती है तो इस बात का अभाव नजर आता है। यह बात दून के ड्रेनेज प्लान में भी सामने आई। पेयजल निगम ने वर्ष 2008 में जो प्लान तैयार किया था, उसे एकसाधार (कालातीत) करने की बात सामने आ रही है।

यही कारण है कि सरकार ने सिंचाई विभाग को ड्रेनेज का प्लान बनाने की जिम्मेदारी सौंपी तो इसमें पेयजल निगम के प्लान का जिक्र तक नहीं किया। इस तरह के प्रयास भी नहीं किए जा रहे कि पुराने प्लान में सुधार कर उस पर जल्द काम शुरू किया जा सके। सिंचाई विभाग के प्रमुख अभियंता (विभागाध्यक्ष) मुकेश मोहन का कहना है कि नए सिरे से प्लान तैयार करने के लिए टेंडर आमंत्रित कर दिए गए हैं।

In a Digital World Why To wait for a Howker

Visit Us at <http://app.page3news.co.in>

Supporting Devices

All Apple Touch Phones & Tablets
All Android Touch Phones & Tablets
All Window & BlackBerry Touch Phones 10+



Read News
Watch News Channel

Scan This Code



स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के. प्रिंटर्स, 74/9, आराधर, देहरादून
से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ.-राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादक: प्रदीप चौधरी
सिटी कार्यालय:
शिवम मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।
फैक्स नं०-
0135-2650558
(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं०
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून
ही मान्य होगा।